

Class-5 Hindi - Lesson-13

श्री निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रश्न-1 राजा नरसिंह देव ने कैसे मंदिर की कल्पना की?

उत्तर-1 राजा नरसिंह देव ने कल्पना की कि एक ऐसा द्वार जो सागर के तट पर हो, उसके द्वार और सीढ़ियों को सागर की लहरें धोती रहें। सुपादिय होने पर स्वर्ण की पहली किरण मंदिर के गर्भ गृह में स्थित देवता के चरणों को स्पर्श करे।

प्रश्न-2 शिवोई को कोणार्क का मंदिर बनाने का सही ज्ञान कब हुआ?

उत्तर-2 एक दिन शिवोई समुद्र के तट पर घूमने गया और थककर वहीं रेत पर सो गया। सुबह अचानक हड़बड़ाकर उठा और देखा कि सागर का जल उसके पाँव परवार रहा है तथा स्वर्ण की सुनहरी किरणें उसके मुख पर पड़ रही हैं।

बस शिवोई खुशी-खुशी राजा के पास जाकर कहने लगा - महाराज आपकी कल्पना के अनुरूप मैं मंदिर बना दूंगा।

प्रश्न 3 कलश चढ़ाने के बाद धर्मपाद ने क्या किया और क्यों?

उत्तर 3 कलश चढ़ाने के बाद धर्मपाद ने मंदिर के शीर्ष से झूदकर आत्महत्या कर ली क्योंकि वह अपने पिता और शिवोई आदि का अपमानित करके इसका श्रेय नहीं लेना चाहता था।

प्रश्न 4 कोणार्क के मंदिर में स्थापित प्रतिमा के मुख के भावों में दिन के विभिन्न पहरों में किस-किस प्रकार के परिवर्तन आते थे?

उत्तर 4 प्रातः काल जब सूर्य की प्रतिमा का मुख शांत और सौम्य दिखाने लगता था। मध्याह्न में सूर्य की किरणों के सीधे पड़ने से प्रतिमा के चेहरे पर क्रोध, ता और सायंकालीन सूर्य की किरणों के प्रभाव से थकावट का भाव देखा जा सकता था।

प्रश्न 5 मंदिर के गभ्र गट्ट में किसकी

मूर्ति स्थापित है?

उत्तर 5 मंदिर के गभ्र गट्ट में सूर्य की मूर्ति स्थापित है।

Class 5th Hindi Lesson 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्रश्न-1 कवि ने बच्चों के दोनों हाथों में क्या-क्या बताया है?

उत्तर-1 कवि ने बच्चों के एक हाथ में तिरंगा और दूसरे हाथ में तिर का मान बताया है।

प्रश्न-2 कवि ने नदियों का परिधान किसे बताया है?

उत्तर-2 कवि ने नदियों का परिधान हिंद महासागर की लहरों को बताया है।

प्रश्न-3 दीवारों में किसे चिना गया और क्यों?

उत्तर- गुरु गोविंद सिंह के बेटे देश-धर्म की खातिर दीवारों में बिदा दी चिनवा दिए गए।

प्रश्न-4 प्रसृत कविता में कौन-कौन से वीरों के नाम आए हैं? लिखिए -

उत्तर- प्रसृत कविता पद्मिनि, आँसी की रानी शिवाजी, अब्दुल हमीद, और गुरु गोविंद जैसे वीरों के नाम आए हैं।

CLASS- 5th. Hindi- 1st L- 15 Q/A

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

प्रश्न-1 पहला अंतरिक्ष यात्री किस देश का निवासी था और उसका क्या नाम था?

उत्तर-1 पहला अंतरिक्ष यात्री रूस देश का निवासी था और उसका नाम यूरी गागारिन था।

प्रश्न-2 अमेरिका का पहला अंतरिक्ष यात्री कौन था और उसके यान का क्या नाम था?

उत्तर-2 अमेरिका का पहला अंतरिक्ष यात्री रलन शैयर्ड था और उसके यान का नाम मरकरी था।

प्रश्न-3 पहली महिला अंतरिक्ष-यात्री कौन थी और वह किस देश की थी?

उत्तर-3 पहली महिला अंतरिक्ष-यात्री वैलेन्तीना त्वादिमिनोव्ना तेरेस्कौवा थी और वह रूस देश की थी।

प्रश्न-4 भारत के किस व्यक्ति ने कब अंतरिक्ष-यात्रा

CLASS- 5th Hindi- 1st L- 15 Q/A

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

प्रश्न-1 पहला अंतरिक्ष यात्री किस देश का निवासी था और उसका क्या नाम था?

उत्तर-4

उत्तर-1 पहला अंतरिक्ष यात्री रूस देश का निवासी था और उसका नाम यूरी गागारिन था।

प्रश्न-2 अमेरिका का पहला अंतरिक्ष यात्री कौन था और उसके यान का क्या नाम था?

उत्तर-2 अमेरिका का पहला अंतरिक्ष यात्री रलन शेयर्ड था और उसके यान का नाम मरकरी था।

प्रश्न-3 पहली महिला अंतरिक्ष-यात्री कौन थी और वह किस देश की थी?

उत्तर-3 पहली महिला अंतरिक्ष-यात्री वैलेन्तीना व्लादिमिर्नोव्ना तेरेस्कौवा थी और वह रूस देश की थी।

प्रश्न-4 भारत के किस व्यक्ति ने कब अंतरिक्ष-यात्रा

की ?

उत्तर-4 भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री रakesh शर्मा ने 3 अप्रैल 1984 को अपने दो साथियों के साथ रूसी अंतरिक्ष यान सोयूज टी-11 में उड़ान भरी।

Class-5th. Hindi-1st Lesson-16 QIA

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्रश्न-1 लिलिपुट के लोगों की औसत ऊँचाई कितनी थी?

उत्तर-1 लिलिपुट के लोगों की औसत ऊँचाई छह इंच थी।

प्रश्न-2 गुलीवर ने द्वार जाने का अभिनय क्यों किया?

उत्तर-2 गुलीवर को तीर सुई की तरह चुभ रहे थे। इसलिये उसने द्वार जाने का अभिनय किया और फिर से लेट गया।

प्रश्न-3 संकेतों की भाषा किसे कहते हैं?

उत्तर-3 इशारों में समझना सांकेतिक भाषा होती है।

प्रश्न-4 गुलीवर के बेहोश शरीर को गाड़ी पर कैसे लादा गया?

उत्तर- लिलिपुट के लोग अच्छे गणितज्ञ थे वे बड़े-बड़े जहाज बनाकर विशेष गाड़ियों में लादकर उन्हें

समुद्र तक ले जाते थे। उसी विशेष गाड़ी में गुलीवर के शरीर को लादा गया।

प्रश्न-5 गुलीवर को लिलिपुट की भाषा किसने सिखाई ?

उत्तर-5 लिलिपुट के विद्वान ने गुलीवर को वहाँ की भाषा सिखाई।

Class-5th Hindi-1st Lesson-17 Q/A

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्रश्न-1 सिकंदर ने भारत के किस राजा को युद्ध में परास्त किया था?

उत्तर-1 सिकंदर ने भारत के राजा पुरु को युद्ध में परास्त किया था।

प्रश्न-2 नदी के किनारे पहुँचकर सिकंदर ने क्या देखा?

उत्तर-2 नदी के किनारे पहुँचकर सिकंदर ने देखा कि साधु आग के चारों ओर बैठकर धुनी रमा रहे हैं।

प्रश्न-3 सिकंदर अपने शिविर क्यों लौट आया?

उत्तर-3 सिकंदर साधुओं के लिए कंबल और ऊनी वस्त्र लेने के लिए शिविर में लौट आया।

प्रश्न-4 वृद्ध साधु की बात का सिकंदर पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर-4 वृद्ध साधु की बात सुनकर सिकंदर को अहसास हुआ कि उसने विश्व विजेता बनने के लिए कितने असहाय लोगों को मारा है। उसने अपने अपराधों की क्षमा साधु से माँगी।

प्रश्न-5 सिकंदर ने स्वदेश लौटने की घोषणा क्यों की?

उत्तर-5 सिकंदर ने साधुओं के सम्मुख अपनी हार स्वीकार करके शिविर में लौटकर घोषणा कर दी कि हम प्रातः स्वदेश लौट जाएँगे।

Class-5th Hindi-1st Lesson- 48 Q/A

प्रश्न-1 पशु-शक्ति से कवि का क्या आशय है?

उत्तर-1 पशु-शक्ति से कवि का आशय है कि संसार में पशु शक्ति का प्रयोग न हो।

प्रश्न-2 निज देश पर अभिमान क्यों होना चाहिए?

उत्तर-2 कवि कहता है कि हमें निश्चित रूप से देश पर अभिमान होना चाहिए।

प्रश्न-3 व्यक्ति के सम्मान का क्या अर्थ है?

उत्तर-3 कवि कहता है कि व्यक्ति के व्यवहार, उसकी छवि का सम्मान होना चाहिए।

प्रश्न-4 स्वार्थी व्यक्ति कैसा हो जाता है?

उत्तर-4 कवि कहता है कि स्वार्थी अपना हित साधने की उग्र भावना हो स्वार्थी व्यक्ति कमजोर होता है।

प्रश्न-5 मनुष्यों को किसकी आराधना करनी चाहिए?

उत्तर-5 मनुष्यों को अपने आदर्शों की आराधना करनी चाहिए।

प्रश्न-6 हमें अपने देश के हित के साथ-साथ विश्व-हित का ध्यान क्यों होना चाहिए?

उत्तर-6 हमें अपने देश के हित साथ-साथ विश्व-हित का ध्यान इसलिये रखना चाहिए जिससे हमारे देश प्रगति करे।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

1. निज चित्त - - - - - अधिकार हो।

भावार्थ - प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि सभी लोग का उदार व परोपकारी होना चाहिए हमेशा अधिकार होना चाहिए।

2. निज स्वार्थ - - - - - अनुसार हो।

भावार्थ - प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि सभी लोग उदार व परोपकारी हो

DATE / /

PAGE No.

कोई भी व्यक्ति ऐसा न हो जो
केवल अपने स्वार्थ को ही पूरा
करे।